तुलसी प्रज्ञा १९७५ ०७ (फोल्डर नं. ०२४५०१)

सम्पादक – डॉ. महावीर गेलड़ा

मुख्य टाइटल

सम्पादकीय

जैन रामायण 'पउमचरिउ' और हिन्दी रामायण ' मानस' – डॉ. लक्ष्मीनारायण दुबे ---------- १-१०

राजस्थानी साहित्य क्षेत्र में आचार्य श्री तुलसी का योगदान – मुनि मधुकर ---------- ११-३०

प्राकृत साहित्य का हिन्दी साहित्य के विकास में योगदान – डॉ. कुसुम पटोरिया ---------- ३१-३३

पउमचरिउ की अंजना पवनजंय कथा तथा अभिज्ञान शाकुन्तल का तुलनात्मक अध्ययन –
डॉ. रमेशचन्द्र जैन ---------- ३४-३९

रात्रि भोजन, एक मीमांसा – साध्वी मंजुला ---------- ४०-४६

Classification of animals in tholkappiyam part I – Balkrishna k. nayar----------47-54

Early Jainism and yaksa worship – Dr. Asim Kumar Chatterjee ---------- 55-6

Occulatations of the moon in jaina astronomy – Sajjan Singh Lishk & S.D. Sharma------64-69

Non – naturalistie epristemology and metaphysical realism – are they compatible in
Jainism – G-Sundra Ramajah ----------70-76

Mathematical foundations of karma quantum system theory – ii – L.C.Jain ----------77-79

उत्तराध्ययन ते सन्दर्भ में – भदन्तजी के मुनि दुलहराज चिन्तन की मीमांसा---------- ८०-८७

स्व. डॉ. आदिनाथ नेमिनाथ उपाध्ये को श्रद्धांजलि ---------- ८८

जैन विश्व भारती, लाडनूं (राज) – सम्पतराय भूतोडिया (मंत्री) ---------- ८९

विश्व मैत्री एवं विश्व शांति के संदर्भ में अन्तर्राष्टीय सम्मेलन – महेन्द्र जैन ---------- ९८

जैन विधा परिषद का षष्ठ अधिवेशन ---------- १००

Humble tribute to the memory of prof. Dr. A.N. Upadheye (1906-1975) ---------- 105

लेखकगण ---------- १०६

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org